अंतरिक्ष आधारित निगरानी (SBS) मिशन

स्रोत: HT

हाल ही में **सुरक्षा संबंधी कैबिनेट समिति (CCS) ने अंतरिक्ष आधारित निगरानी (SBS) मिशन के तीसरे चरण** को मंज़ूरी दे दी है।

- इससे नागरिक और सैन्य अनुप्रयोगों के लिये **भूमि एवं समुद्री क्षेत्र में बेहतर जागरूकता लाने में मदद मिलेगी।**
- इसमें निगरानी के लिये **पृथ्वी की निचली कक्षा या लो अर्थ ऑर्बिट और भूस्थिरीय कक्षा या जियोस्टेशनरी ऑर्बिट** में कम-से-कम **52 उपग्रहों** का प्रक्षेपण शामिल होगा।
    - **21 उपग्रह इसरो** द्वारा तथा शेष **31 निजी कंपनियों द्वारा** निर्मित किये जायेंगे।
- SBS मिशन का संचालन **राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय** और रक्षा मंत्रालय के अधीन **रक्षा अंतरिक्ष एजेंसी द्वारा किया जा रहा है।**
    - तीनों सशस्त्र बलों के पास भूमि, समुद्र या वायु आधारित मिशनों के लिये **समर्पित उपग्रह होंगे।**
- **SBS के पहले चरण की शुरुआत वर्ष 2001 में** की गई थी, जिसमें **चार उपग्रहों जैसे रिसैट 2 (Risat 2) का** प्रक्षेपण शामिल था, जबकि **SBS 2 को वर्ष 2013** में **छह उपग्रहों जैसे रिसैट 2A** के प्रक्षेपण के साथ शुरू किया गया था।
- SBS 3 मिशन को भारत द्वारा अमेरिका से **31 प्रीडेटर ड्रोन प्राप्त करने, फ्राँस के साथ सैन्य उपग्रहों के संयुक्त निर्माण** तथा **उपग्रह रोधी मिसाइल** क्षमताओं से **समर्थन प्राप्त होगा।**
- भारत का लक्ष्य हिंद-प्रशांत क्षेत्र में **शत्रु की पनडुब्बियों का पता लगाने तथा** अपनी भूमि व समुद्री सीमाओं पर शत्रु द्वारा **किये जा रहे बुनियादी ढाँचे के निर्माण पर नज़र रखने की** क्षमता हासिल करना है।

और पढ़ें: उपग्रह-आधारित संचार

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/space-based-surveillance-sbs-mission